Vijay Kumar Jha
Dept in History
Asst Prof
V.S.J College Rajnagar
Degree part III
Paper - VI

Education policy of Lord Macauley.

पाश्चात्य शिक्षा के जनक लार्ड मैकाले 1853 ई॰ में गवर्नर जेनरल के कौंसिल का कानून सदस्य बनकर भारत आया। वह अंग्रेजी का प्रकांड विद्वान सफल लेखक एवं कुशल वक्ता था। तत्कालीन गवर्नर जेनरल लार्ड बेंटिक ने मैकाले को सर्वसाधारण शिक्षा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया। 2 फरवरी 1835 ई॰ को लार्ड मैकाले ने गवर्नर जेनरल के कौंसिल के समक्ष अपना स्मरण विवरण पत्र प्रस्तुत कर उसमें प्राचीन साहित्य शिक्षा का खंडन कर अंग्रेजी माध्यम द्वारा पाश्चात्य शिक्षा साहित्य और विज्ञान की शिक्षा का समर्थन किया।

मैकाले के अंग्रेजी शिक्षा योजना का प्रमुख उद्देश्य भारत में अंग्रेजी शासन के लिये शिक्षित लिपिक पैदा करना था। कई शिक्षित भारतीय भी पाश्चात्य शिक्षा एवं संस्कृति से प्रभावित होकर अंग्रेजी शिक्षा के पक्षधर हो गये थे। राजा राम मोहन राय ने संस्कृत कालेज खोलने के स्थान पर अंग्रेजी शिक्षा आवश्यक बताया। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी शिक्षा भारतीयों को भी अंग्रेजी शासन में भाग लेने का अवसर मिलेगा। ईसाई पादरी भी अंग्रेजी शिक्षा के हिमायती थे। अंग्रेज अपने साम्राज्य के सुरक्षा कि दृष्टि से अंग्रेजी शिक्षा को आवश्यक मानते थे

मैकाले कि घोषणा के बाद भारत में शिक्षा कार्यक्रम तेजी से फैला। 23 सरकारी विद्यालयों कि स्थापना हुई तथा 1835 ई॰ में [illegible] सभी जिलों में एक अंग्रेजी विद्यालय खोले गये। 1844 ई॰ में लार्ड हार्डिंग ने कलकत्ता में एक नार्मल स्कूल भी खोलवाया। डलहौजी ने 1854 ई॰ में 83 प्राथमिक विद्यालय खोलवाये। 1854 ई॰ में बंगाल में 47 अंग्रेजी स्कूल,

है अँग्रेजी कालेज, मेडिकल कालेज खोले। 1845 ई० में कलकत्ता में Engineering कालेज खोले गये जो हिन्दू कालेज के भाग में ही था। 1835 ई० में कलकत्ता मेडिकल कालेज की नींव पड़ी जिसमें पाश्चात्य ढंग से चिकित्सा की शिक्षा की योजना थी। 1840 ई० में बम्बई में भारतीय शिक्षा समिति को भंग कर शिक्षा बोर्ड की स्थापना किया गया। सूरत, रत्नागिरि, अहमदाबाद, सतारा, राजकोट, पूना में अँग्रेजी स्कूल की स्थापना किया गया। 1185 ई० में पूना संस्कृत कालेज तथा पूना अँग्रेजी स्कूल को मिलाकर पूना स्कूल बनाया गया। 1854 ई में बम्बई में Grant Medical College की नींव पड़ी। 1836 ई० में हुगली, ढाका, पटना, नागपुर में कालेज की स्थापना हुई। 1822 ई० में मद्रास विश्वविद्यालय स्थापित किये गये। 1847 ई० में थामसन ने रुड़की में Engineering College की स्थापना हुई। लार्ड बेंटिक ने सती प्रथा को तो समाप्त किया। किंतु स्त्री शिक्षा की ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

19 जुलाई 1854 ई० में Woods despatch ने एक घोषणा किया जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधारों पर चर्चा थी जो निम्न है
(1) पाश्चात्य संस्कृति का प्रसार तथा जन प्रशासन के लिये सुयोग्य जन सेवक तैयार करना (2) कालेज स्तर की शिक्षा का माध्यम अँग्रेजी अपनाना। (3) माध्यमिक शिक्षा अँग्रेजी एवं हिंदी के माध्यम अपनाना (4) स्त्री शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया गया
(5) शिक्षकों अध्यापन के लिये ट्रेनिंग दिया गया।
(6) शिक्षा पद्धति संचालन के लिये Director of Public administration की संगठन करना।
(7) कानून की शिक्षा तथा चिकित्सा एवं इंजिनियरिंग की शिक्षा
(8) London University कि तरह प्रत्येक प्रेसिडेंसी में एक एक विश्व विद्यालय खोलना। 1857 ई० में कलकत्ता, बम्बई और मद्रास में तीन विश्व विद्यालय की स्थापना किया गया

Effects:- अँग्रेजी के तथा अंग्रेजी में अनुवादित ग्रंथों के अध्ययन से भारतीयों का ज्ञानवर्धन हुआ।
• आंग्ल भाषा भारतीयों को पाश्चिमी संस्कृति, ज्ञान और विचारों से

मार्ग को खोल दिया। ज्ञान के क्षेत्र में जिस स्वतंत्र ऊर्जा का निर्माण भारतीयों ने किया वह अंग्रेजी शिक्षा की ही देन है। भारत पर अंग्रेजों के विजय और उनके शासन ने जिस नवीन वातावरण का सृजन किया तथा जो कठिनाइयाँ आयीं भारतीयों ने विदेशी साहित्य के अध्ययन से इन समस्याओं का निदान किया। भारतीयों के शिक्षित वर्ग ने विश्व के आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान को समझा

अंग्रेजी शिक्षा का सबसे प्रमुख असर भारतीय सामाजिक जीवन पर पड़ा जाति प्रथा, छुआछूत, विधवा विवाह, सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों से छुटकारा मिली। इसी का परिणाम सामाजिक सुधार संस्था जैसे आर्य समाज, प्रार्थना समाज जैसे संस्था के निर्देशन में सामाजिक सुधार हुए। भारतीयों के दृष्टिकोण एवं सोच विकसित हुए।

Demerits :- आधुनिक शिक्षा के समर्थक नवयुवकों ने पुराने मानदंडों का बहिष्कार किया तथा विदेशी संस्कृति आत्मसात कर लिया। उन्होंने मदिरापान, गोमांस भक्षण, स्वच्छंद यौन प्रचलन आरंभ कर दिया जिससे पश्चिमी संस्कृति धराशायी हो गई। प्राचीन भारतीय विचारकों को अपमान करने लगा। कुछ ईसाई धर्म कबूल कर लिये कुछ नास्तिक हो गये। हमारी प्राचीन विचारधारा अधिकांश लेने वाले लिये प्राचीन मनीषियों ने अपने त्याग और तप के बल पर कायम किया था।

निष्कर्षतः अंग्रेजी शिक्षा पद्धति अंग्रेजों को अच्छे क्लर्क पैदा करने और भारतीय को गुलाम बनाये रखने का काम किया। किन्तु आगे चलकर अंग्रेजी शिक्षा से भारतीयों में एक नयी चेतना और नये विचारधारा से प्रभावित होकर एक राष्ट्रीयता के रूप में बंधकर अंग्रेजों से मुक्ति पाया।